ATMA RAM SANATAN DHARMA COLLEGE
(UNIVERSITY OF DELHI)

‘वेदांता’ - महाविद्यालय की हिन्दी वाद-विवाद समिति

महाविद्यालय की हिन्दी वाद-विवाद समिति 'वेदांता' दिल्ली विश्वविद्यालय की सम्मानित समितियों में से एक है। समिति विभिन्न महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों की वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता करती है। इसके अतिरिक्त समिति महाविद्यालय के अंदर भी कई प्रतियोगिताओं का आयोजन करती है। इस वर्ष भी समिति ने महाविद्यालय में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिनका विवरण इस प्रकार है—

समिति ने जी-20 अध्यक्षता महोत्सव के अंतर्गत 10 जुलाई 2023 को वाई-20 युवा संसद सम्मेलन का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईएएस अधिकारी एवं यूथ समिट के सचिव अभिषेक मल्होत्रा थे, जिन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए भारत की अध्यक्षता में 'ग्लोबल साउथ' के देशों के बढ़ते प्रतिनिधित्व तथा अध्यक्षता के महत्व से अवगत कराया। इस युवा संसद कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने "साझा भविष्य : लोकतंत्र एवं शासन-प्रणाली में युवा" विषय पर विचार-विमर्श किया।

अगस्त माह में ही जी-20 अध्यक्षता महोत्सव के अंतर्गत समिति ने संवादात्मक संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय विदेश मंत्रालय की पूर्व सचिव श्रीमती रीवा गांगुली दास ने विद्यार्थियों के साथ "भारत की जी-20 अध्यक्षता" विषय पर संवाद किया तथा उन्हें बताया कि भारत की जी-20 अध्यक्षता किस प्रकार वैश्विक स्तर पर भारत की छवि को उभारने का कार्य करेगी।

29 अगस्त 2023 को समिति ने सिविल सेवा परीक्षा के उम्मीदवारों के मार्गदर्शन हेतु दृष्टि आईएएस संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में संवादात्मक संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी में छात्रों ने सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी से संबंधित अपनी शंकाओं का समाधान किया।

4 सितम्बर 2023 को समिति ने नवागंतुक विद्यार्थियों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें नवागंतुकों को समिति की कार्यप्रणाली से अवगत कराने के साथ-साथ वाद-विवाद के विभिन्न प्रारूपों तथा समिति की उपलब्धियों से भी परिचित कराया गया।

13 सितम्बर 2023 को समिति ने चयन प्रक्रिया (ऑडिशन) का आयोजन किया। इसमें नवागंतुक विद्यार्थियों को अपना विचार रखने के लिए तीन विषय दिए गए थे:

1. सदन का मत है कि क्षेत्रीय दलों के प्रभाव में आई कमी ने भारतीय संघवाद को कमजोर किया है।
2. यह सदन समान नागरिक संहिता को भारतीय समाज में व्याप्त विविधता के विरुद्ध मानता है।
3. यह सदन भारत में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की व्यवस्था को लागू करने का समर्थन करता है।

विद्यार्थियों को इनमें से किसी एक विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करने थे। इस चरण में सफल विद्यार्थियों को साक्षात्कार की प्रक्रिया के बाद समिति में शामिल किया गया।

7 अक्टूबर 2023 को समिति ने राउस आईएएस स्टडी सर्कल के साथ मिलकर संवादात्मक संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें विद्यार्थियों को सिविल सेवा के साथ-साथ अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

25–26 अक्टूबर 2023 को समिति ने 'तर्क-तृष्णा' के चतुर्थ संस्करण का आयोजन किया। इस बार समिति ने तर्क-तृष्णा के अंतर्गत पहली बार द्वि-दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया। इसके अंतर्गत

अंतर-महाविद्यालयीय नवागंतुक अर्द्ध-संसदीय वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के नवागंतुक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

2 नवम्बर **2023** को समिति ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह **2023** की थीम "भ्रष्टाचार का विरोध करें; राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें" के अंतर्गत अंतर-महाविद्यालयीय पारंपरिक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने दिए गए विषय—

"सदन का मत है कि भ्रष्टाचार उन्मूलन हेतु सामाजिक सुधार के बिना विधायी प्रतिबंध निरर्थक हैं।"

पर उत्कृष्ट ढंग से अपने वक्तव्य प्रस्तुत किए तथा भ्रष्टाचार के विरोध के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

1 दिसम्बर **2023** को समिति ने दिल्ली एड्स कंट्रोल सोसाइटी के तत्वावधान में द्विभाषी पारंपरिक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें दिल्ली शहर के विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों से विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। सभी प्रतिभागियों ने दिए गए विषय—

"सदन का मत है कि केवल निषेध वाली यौन शिक्षा एच.आई.वी./एड्स के संक्रमण को रोकने में अप्रभावी है।"

—पर गहन विवेचना करते हुए विषय के पक्ष एवं विपक्ष में अपने तर्क प्रस्तुत किए।

8 दिसम्बर **2023** को समिति द्वारा अनअकैडमी के सहयोग से संवादात्मक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में आए अध्यापकों ने विद्यार्थियों को सिविल सेवा परीक्षा के पाठ्यक्रम तथा पिछले वर्षों में पूछे गए प्रश्नों के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए बरती जाने वाली सावधानियों के साथ-साथ समाचार-पत्र एवं समसामयिक घटनाओं (Current Affairs) के नियमित अध्ययन के महत्व से भी अवगत कराया।

28 फरवरी **2024** को चुनाव जागरूकता अभियान के अंतर्गत समिति ने भारतीय निर्वाचन आयोग के तत्वावधान में द्विभाषी अंतर-महाविद्यालयीय पारंपरिक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतिभागियों ने दिए गए विषय: "सदन का मत है कि मतदाताओं द्वारा जाति या धर्म को प्राथमिकता देने की प्रवृत्ति अपरिपक्व लोकतंत्र का प्रतीक नहीं, बल्कि अस्मिता की अभिव्यक्ति है।" पर अपने विचार व्यक्त किए।